Drishti IAS

करेंट अफेयर्स राजस्थान

जून 2024

(संग्रह)

Drishti, 641, First Floor, Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry (English): 8010440440, Inquiry (Hindi): 8750187501
Email: help@groupdrishti.in

अनुक्रम

राजस्थान **3**

- सौंफ उत्पादन 3
- राजस्थान में वर्षा जल संचयन के नए नियम 3
- राजस्थान में जल संचयन इकाइयों की स्थापना 4
- महाराणा प्रताप पर्यटन परिपथ का विकास 5
- किसान सम्मान निधि की राशि में बढ़ोतरी 6
- सीकर में भूकंप 6
- लोकप्रिय मसाला ब्रांड कीटनाशकों से युक्त 7
- राजस्थान में सौर ऊर्जा का केंद्र 8
- राजस्थान में युवा मित्रों का विरोध प्रदर्शन 8
- जबरन धर्मांतरण के लिये कानून 9
- राजस्थान को कोयला आपूर्ति 10
- राजस्थान उच्च न्यायालय का NTA को नोटिस 11

दृष्टि The Vision

नोट :

राजस्थान

सौंफ उत्पादन

चर्चा में क्यों ?

तीन वर्ष के लंबे शोध के बाद यह बात सामने आई है कि राजस्थान के चार रेगिस्तानी ज़िले, जहाँ किसान सिंचाई के लिये लवणीय जल पर निर्भर हैं, **सौंफ उत्पादन का केंद्र बन सकते** हैं।

- यह शोध **बीकानेर, नागौर, चूरू और बाड़मेर** ज़िलों में किया गया।

मुख्य बिंदुः

- **टैक्सोनॉमिक रूप से फोनीकुलम वल्गेर** के रूप में वर्गीकृत, सौंफ एक कठोर, बारहमासी औषधीय पौधा है जिसमें पीले फूल और फर के समान पत्तियाँ होती हैं।
- भारत में सौंफ का उत्पादन करने वाले प्रमुख राज्य **राजस्थान और गुजरात** हैं, जहाँ कुल उत्पादन का लगभग 96% उत्पादन किया जाता हैं।
  - राजस्थान में, **सौंफ की सबसे अधिक खेती नागौर ज़िले** में की जाती है, जो **10,000 हेक्टेयर में फैला** हुआ है। इसकी खेती **सिरोही, जोधपुर, जालौर, भरतपुर और सवाई माधोपुर** ज़िलों में भी की जाती है।
- शोध में विभिन्न प्रकार की सौंफ की किस्मों की उपज का अध्ययन किया गया, जिसमे लवणीय जल की सहनशीलता का परीक्षण शामिल है तथा इसके उत्साहवर्धक परिणाम प्राप्त हुए हैं।
  - सौंफ की किस्म, **RF-290, लवणीय जल की सिंचाई** के लिये उपयुक्त पाई गई।
- लवणीय जल के साथ **ड्रिप सिंचाई से सौंफ उत्पादन में विस्तार** किया जा सकता है तथा उत्पादकता में वृद्धि की जा सकती है और **मसालों की कृषि करने वाले किसानों के लिये लाभकारी** हो सकती है।
- किये गए शोध के अनुसार, **प्रायोगिक सिंचाई से प्रति हेक्टेयर लगभग नौ क्विंटल सौंफ का उत्पादन** किया जा सकता है तथा जिन क्षेत्रों में **ट्यूबवेल के माध्यम से खेती की जाती है, वहाँ भी सौंफ का अधिक उत्पादन** किया जा सकता है।

राजस्थान में वर्षा जल संचयन के नए नियम

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम (RIICO)** ने एक परिपत्र जारी कर 500 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्रफल वाले सभी भूखंड पट्टेदारों को अपने परिसर में वर्षा जल संचयन संरचनाओं का निर्माण करने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया है।

मुख्य बिंदुः

- इसका लक्ष्य राज्य में अपनी शुष्क जलवायु के कारण जल की कमी का सामना कर रहे जल संरक्षण और भूजल स्तर को बढ़ाना है।
  - **भूजल में कमी** भूजल उपयोग से जुड़ा एक गंभीर मुद्दा है, जो भूजल के निरंतर उपयोग के कारण जल स्तर में दीर्घकालिक गिरावट को संदर्भित करता है।

नोट :

- यदि **वर्षा जल संचयन संरचना** के निर्माण में देरी होती है, तो पट्टेदार पर RIICO द्वारा निर्धारित दंड आरोपित किये जा सकते हैं।
  - जुर्माने की राशि भूखंड (प्लॉट) के आकार के आधार पर भिन्न होती है:
- 500 वर्ग मीटर से 2,000 वर्ग मीटर के बीच के भूखंडों के लिये: 25,000 रुपए प्रतिवर्ष। 2,000 वर्ग मीटर से अधिक के भूखंडों के लिये: 50,000 रुपए प्रतिवर्ष।
- RIICO के अलावा अन्य विभाग भी वर्षा जल संचयन को लागू कर रहे हैं। उदाहरण के लिये, **राजस्थान पुलिस आवास एवं निर्माण निगम लिमिटेड (RPH & CCL)** मौजूदा कुओं और जलभृतों का संचयन करने के लिये छतों एवं आस-पास के इलाकों से वर्षा जल एकत्र कर रहा है। राज्य सरकार जल संरक्षण के लिये वृक्षारोपण पर भी ज़ोर दे रही है।

राजस्थान में जल संचयन इकाइयों की स्थापना

चर्चा में क्यों?

राजस्थान सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों में जल की कमी के मुद्दों के जवाब में **मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0** के साथ राज्य में **जल संरक्षण** के प्रयासों को बढ़ाने का निर्णय लिया है।

- इस पहल के तहत **अगले चार वर्षों में 20,000 गाँवों में 500,000 जल संचयन संरचनाओं का निर्माण करने की योजना है।**

मुख्य बिंदु:

- सरकारी आँकड़ों के अनुसार, देश के सबसे शुष्क क्षेत्रों में से एक राजस्थान लगातार जल की कमी से जूझ रहा है।
- **राज्य में प्रतिवर्ष 100 मिमी. से 800 मिमी. तक वर्षा होती है,** जिसके परिणामस्वरूप अनेक क्षेत्रों में जल की कमी हो जाती है, **जिसमें बुनियादी पेयजल की आवश्यकता भी शामिल है।**
- राज्य में **भूजल पुनःपूर्ति** में वर्षा का मुख्य योगदान है तथा पूरे क्षेत्र में जल स्तर में काफी भिन्नता है।
- एक सरकारी रिपोर्ट में राजस्थान को उन प्रमुख राज्यों में से एक बताया गया है जहाँ भूजल स्रोतों का अत्यधिक उपयोग किया गया है।
- **राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम (RIICO)** ने हाल ही में एक अधिसूचना जारी की है, जिसके तहत 500 वर्ग मीटर या इससे अधिक क्षेत्रफल वाले भूखंडों को पट्टे पर लेने वाले सभी व्यक्तियों को जल संरक्षण प्रयासों को बढ़ाने तथा भूजल स्तर को बढ़ाने के लिये अपनी संपत्ति पर **वर्षा जल संचयन** प्रणाली स्थापित करना अनिवार्य होगा।
- राजस्थान **पुलिस आवास एवं निर्माण निगम लिमिटेड (RPH&CCL)** भी अपनी वर्तमान भवन परियोजनाओं में वर्षा जल संचयन को शामिल करेगा।

मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान

- **मुख्यमंत्री ने** 27 जनवरी 2016 को राजस्थान के **झालावाड़ ज़िले** के गरदान खेड़ी गाँव से इस अभियान का शुभारंभ किया।
- यह योजना **फोर वाटर्स कांसेप्ट (Four Waters Concept)** पर आधारित है, जिसमें संग्रहीत जल (Catchment Water) का उपचार, मौजूदा जल संचयन संरचनाओं का उचित उपयोग, गैर-कार्यात्मक जल संचयन संरचनाओं का नवीनीकरण तथा नई जल संचयन संरचनाओं का निर्माण करना शामिल है।

राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम (RIICO)

- **यह राजस्थान सरकार की एक प्रमुख एजेंसी है** जिसने राजस्थान के औद्योगिक विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है, इसका **गठन वर्ष** 1980 में किया गया था।
- 28 मार्च 1969 को **कंपनी अधिनियम, 1956** के तहत राजस्थान राज्य औद्योगिक और खनिज विकास निगम (RSIMDC) के रूप में स्थापित एक सरकारी उद्यम को 1 जनवरी 1980 को दो संस्थाओं में विभाजित किया गया था:

- **राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम लिमिटेड** (Rajasthan State Industrial Development & Investment Corporation Limited- **RIICO**
- **राजस्थान राज्य खनिज विकास निगम** (Rajasthan State Mineral Development Corporation- **RSMDC**)

महाराणा प्रताप पर्यटन परिपथ का विकास

चर्चा में क्यों?

राजस्थान के मुख्यमंत्री ने उदयपुर में **महाराणा प्रताप जयंती** समारोह के उद्घाटन के दौरान **महाराणा प्रताप पर्यटन सर्किट/परिपथ** के विकास के लिये **100 करोड़ रुपए** के **निवेश** की घोषणा की।

मुख्य बिंदु:

- उन्होंने कहा कि **16वीं सदी के यह राजा समग्र विश्व के युवाओं के लिये प्रेरणा के स्रोत** हैं।
  - उनकी विरासत का व्याख्यान करने के अतिरिक्त मुख्यमंत्री ने महाराणा प्रताप की असाधारण वीरता, शौर्य और देशभक्ति पर प्रकाश डाला।
- राजस्थान सरकार स्थानीय निवासियों और पर्यटकों के लिये स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार के लिये **चिकित्सा विज्ञान तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता-आधारित प्रौद्योगिकियों में जन-अनुकूल नवाचारों** को क्रियान्वित करने के लिये भी कार्य कर रही है।

महाराणा प्रताप

- **राणा प्रताप सिंह**, जिन्हें महाराणा प्रताप के नाम से भी जाना जाता है, का **जन्म 9 मई 1540** को राजस्थान के कुंभलगढ़ में हुआ था।
  - वे **मेवाड़ के 13वें राजा** थे और **उदय सिंह द्वितीय** के सबसे बड़े **पुत्र** थे।
  - महाराणा उदय सिंह द्वितीय ने मेवाड़ राज्य पर शासन किया और चित्तौड़ को अपनी राजधानी बनाया।
    - **उदय सिंह द्वितीय उदयपुर (राजस्थान) शहर के संस्थापक** भी थे।
- **हल्दीघाटी का युद्ध:**
  - **हल्दीघाटी का युद्ध** वर्ष 1576 में **मेवाड़ के राणा प्रताप सिंह** और **आमेर के राजा मान सिंह** के बीच हुआ था, जो मुगल सम्राट अकबर का सेनापति था।
  - महाराणा प्रताप ने बहादुरी से युद्ध किया किंतु अंततः **मुगल सेना से पराजित हुए**।
  - ऐसी मान्यता है कि **महाराणा प्रताप के वफादार घोड़े चेतक** ने युद्ध के मैदान से बाहर निकलते समय अपने प्राण त्याग दिये थे।

- **पुन:नियंत्रण:**
  - **वर्ष 1579 के बाद** मेवाड़ पर मुगलों का प्रभाव कम हो गया और महाराणा प्रताप ने कुंभलगढ़, उदयपुर तथा गोगुन्दा सहित पश्चिमी मेवाड़ पर पुन: अपना प्रभुत्व स्थापित किया।
  - इस अवधि के दौरान उन्होंने वर्तमान डूंगरपुर के पास एक नई राजधानी चावंड (Chavand) का निर्माण भी किया।
- **देहावसान:**
  - 19 जनवरी, 1597 को महाराणा प्रताप का निधन हो गया। महाराणा प्रताप की मृत्यु के पश्चात् उनके पुत्र **राणा अमर सिंह** ने राजगद्दी ग्रहण की और वर्ष 1614 में अकबर के पुत्र सम्राट जहाँगीर की प्रभुता स्वीकार की।

नोट :

किसान सम्मान निधि की राशि में बढ़ोतरी

चर्चा में क्यों?

राजस्थान सरकार ने केंद्र सरकार की किसान सम्मान निधि के तहत **किसानों को दिये जाने वाले वार्षिक मानदेय में वृद्धि** की घोषणा की।

- प्रत्येक कृषक परिवार को दी जाने वाली **राशि** को **☐6,000 से बढ़ाकर ☐8,000 प्रति वर्ष** कर दिया गया है।

मुख्य बिंदु

- वर्तमान में राजस्थान में किसान सम्मान निधि योजना के माध्यम से **5.7 मिलियन किसान सहायता प्राप्त कर रहे हैं**, जिसका शुभारंभ **वर्ष 2019** में **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी** ने किया था।
- राज्य के अंतरिम बजट में वित्तीय सहायता बढ़ाने के लिये 1,400 करोड़ रुपए आवंटित किये गए हैं।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (PM-किसान)

- **परिचय:**
  - भूमि धारक किसानों की वित्तीय ज़रूरतों को पूरा करने के लिये 24 फरवरी, 2019 को PM-किसान का शुभारंभ किया गया था।
- **वित्तीय लाभ:**
  - योजना के अनुसार प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) के माध्यम से देश भर के किसान परिवारों के बैंक खातों में प्रत्येक चार माह में **तीन समान किस्तों में 6000/- रुपए प्रतिवर्ष** का वित्तीय लाभ अंतरित किया जाता है।
- **योजना का दायरा:**
  - यह योजना शुरू में ऐसे **छोटे और सीमांत किसानों (SMF)** के लिये थी, **जिनके पास 2 हेक्टेयर तक की भूमि थी** किंतु बाद में योजना का दायरा **सभी भूमिधारक किसानों को शामिल करने के लिये** बढ़ा दिया गया था।
- **वित्तपोषण और कार्यान्वयन:**
  - यह एक **केंद्रीय क्षेत्र की योजना** है जिसका पूर्ण रूप से वित्तपोषण भारत सरकार द्वारा किया जाता है।
  - इसे **कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय** द्वारा क्रियान्वित किया जा रहा है।
- **उद्देश्य:**
  - इसका उद्देश्य प्रत्येक फसल चक्र के अंत में प्रत्याशित कृषि आय के अनुरूप **उचित फसल स्वास्थ्य और उपज सुनिश्चित करने के लिये** विभिन्न आदानों की खरीद संबंधी छोटे एवं सीमांत किसानों की वित्तीय ज़रूरतों को पूरा करना है।
  - उक्त प्रकार के खर्चों को पूरा करने के लिये उन्हें साहूकारों के शोषण से बचाना और कृषि में उनकी निरंतरता सुनिश्चित करना।
- **PM-किसान मोबाइल एप:**
  - इसका निर्माण तथा डिज़ाइन इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सहयोग से राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र द्वारा किया गया था।
- **वास्तविक रूप से सत्यापन की व्यवस्था:**
  - योजना में निर्धारित **प्रावधानों के अनुसार प्रत्येक वर्ष 5 प्रतिशत लाभार्थियों का अनिवार्य रूप से वास्तविक सत्यापन** किया जा रहा है।

सीकर में भूकंप

चर्चा में क्यों?

राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (NCS) के अनुसार, हाल ही में राजस्थान के सीकर में **3.9 तीव्रता का** भूकंप आया।

मुख्य बिंदु

- भूकंप 27.41 उत्तरी अक्षांश और 75.06 पूर्वी देशांतर पर 5 किमी की गहराई पर आया।

नोट :

- **राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (NCS):**
  - यह भारत और उसके पड़ोस में **भूकंपीय गतिविधि की निगरानी तथा रिपोर्टिंग** करने के लिये उत्तरदायी अभिकरण है।
  - यह **समग्र देश में भूकंपीय वेधशालाओं का एक संजाल संचालित करता है** और भूकंप तथा सुनामी पर वास्तविक समय का डेटा एवं जानकारी प्रदान करता है।
  - यह जनमानस को भूकंप की चेतावनी और अपडेट प्रदान करने के लिये **भूकंप (BhooKamp) नामक** एक **वेबसाइट तथा मोबाइल एप** भी संचालित करता है।

लोकप्रिय मसाला ब्रांड कीटनाशकों से युक्त

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में राजस्थान में **भारतीय मसालों** के लेबल पर कैंसर उत्पन्न करने वाले **रसायन** एथिलीन ऑक्साइड (Ethylene Oxide- ETO) की संदिग्ध उपस्थिति के कारण उन्हें **मानव उपभोग के लिये अनुपयुक्त माना गया है।**

- सिंगापुर, हॉन्गकॉन्ग और नेपाल ने इन भारतीय मसाला लेबलों के वितरण पर प्रतिबंध लगा दिया है।

मुख्य बिंदुः

- नवीनतम रिपोर्टों के अनुसार, खाद्य पदार्थों में मिलावट के खिलाफ राज्य के अभियान के तहत **राजस्थान के स्वास्थ्य विभाग** द्वारा किये गए **गुणवत्ता परीक्षणों में मसाले ब्रांड विफल रहे।**
  - नमूना परीक्षण के दौरान पाया गया कि मसालों में **थायोमेथॉक्सैम, एसिटामिप्रिड, इथिओन और एज़ोक्सीस्ट्रोबिन** मौजूद हैं।
- जाँच दल ने पाया कि इन **मसालों में कीटनाशकों का स्तर स्वीकार्य सीमा से अधिक है, जो स्वास्थ्य के लिये गंभीर खतरा उत्पन्न कर सकता है।**

एथिलीन ऑक्साइड (Ethylene Oxide- ETO)

- ETO एक रसायन है जिसका उपयोग मसालों में **कीटाणुरोधी पदार्थ** के रूप में किया जाता है, परंतु एक निश्चित सीमा से अधिक उपयोग करने पर इसे **कैंसरकारी** माना जाता है।
- हालाँकि ETO संदूषण को रोकने के प्रयास किये जा रहे हैं, जबकि प्रमुख बाज़ारों में भारतीय मसाला निर्यात के तहत मसाला सैंपल विफलता दर **1% से कम** है।
- मसाला बोर्ड ने ETO संदूषण को रोकने तथा सभी बाज़ारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये निर्यातकों को दिशा-निर्देश जारी किये।
- यह मसालों के लिये कीटाणुरोधी पदार्थ के रूप में ETO का उपयोग न करने की सलाह देता है तथा **वाष्प कीटाणुरोधन एवं विकिरण** जैसे विकल्पों का सुझाव देता है।

थायोमेथॉक्सैम (Thiamethoxam)

- थायोमेथॉक्सैम मनुष्यों के लिये मध्यमतः खतरनाक है **क्योंकि इसका सेवन करने पर नुकसान होता है।** यह किसी भी इन विट्रो और इन विवो टॉक्सिकोलॉजी परीक्षणों में **त्वचा या आँखों को नुकसान** करने वाला नहीं पाया गया तथा न ही उत्परिवर्तनीय पाया गया।

एसिटामिप्रिड (Acetamiprid)

- यह एक **कार्बनिक यौगिक** है। यह एक **गंधहीन नियोनिकोटिनोइड** (न्यूरो-एक्टिव कीटनाशक जो रासायनिक रूप से निकोटीन के तुल्य है) कीटनाशक है।

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (FSSAI)

- भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (FSSAI) खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के तहत गठित एक वैधानिक निकाय है।

नोट :

- FSSAI भारत में खाद्य **सुरक्षा एवं गुणवत्ता को** विनियमित और पर्यवेक्षण करके **सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा** तथा संवर्धन के लिये उत्तरदायी है, जो **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय** के अधीन कार्य करता है
- FSSAI का मुख्यालय नई दिल्ली में है और देश भर में इसके 8 क्षेत्रीय कार्यालय हैं
- FSSAI के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी की नियुक्ति केंद्र सरकार द्वारा की जाती है। **अध्यक्ष भारत सरकार के सचिव के पद पर होता है।**

राजस्थान में सौर ऊर्जा का केंद्र

चर्चा में क्यों?

राजस्थान के **व्यापार एवं उद्योग संगठनों** ने **सरकार से राज्य को** सौर पैनल **विनिर्माण का केंद्र बनाने का आग्रह** किया है।

- राजस्थान **सौर ऊर्जा** उत्पादन में **भारत के शीर्ष राज्यों में से एक** है।

मुख्य बिंदुः

- राज्य की **विद्युत ऊर्जा की मांग सालाना 8 से 10% बढ़ रही** है। सरकार का लक्ष्य है कि 2030 तक कुल बिजली खपत का 43% सौर ऊर्जा से आए।
- वर्ष 2023 में राज्य में 15,195.12 मेगावाट (Mw) की संयुक्त क्षमता वाले सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किये गए।
- **राजस्थान व्यापार एवं उद्योग महासंघ (FORTI)** के अनुसार सौर ऊर्जा के क्षेत्र में संभावनाओं को देखते हुए **राज्य सरकार को प्रदेश में सौर पैनल निर्माण को बढ़ावा देना चाहिये।**

सौर पैनल

- सौर फोटोवोल्टिक (PV) प्रौद्योगिकी **फोटोवोल्टिक प्रभाव** के माध्यम से सूर्य के प्रकाश को सीधे विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित करती है।
  - "फोटोवोल्टिक्स" शब्द **प्रकाश (फोटॉन)** को **विद्युत (वोल्टेज)** में रूपान्तरित करने से लिया गया है, जिसे फोटोवोल्टिक प्रभाव के नाम से जाना जाता है।
- PV सेल **सिलिकॉन जैसे अर्द्धचालक पदार्थों से बने** होते हैं। जब सूर्य की रोशनी सेल पर पड़ती है तो इलेक्ट्रॉन परमाणुओं से अलग हो जाते हैं, जिससे विद्युत ऊर्जा का उत्पादन होता है।
- **ग्रिड से जुड़ी प्रणालियाँ** अतिरिक्त विद्युत ऊर्जा को वापस ग्रिड में भेजती हैं।
- कई क्षेत्रों में विद्युत ग्रिड को शक्ति प्रदान करने के लिये बड़े पैमाने पर फोटोवोल्टिक प्रणालियाँ स्थापित की जा रही हैं।
- **विधियाँः** PV प्रणालियों के तहत छोटी छतों पर सौर ऊर्जा स्थापित करने वाली इकाइयाँ, सौर पंप, ऑफ-ग्रिड प्रकाश प्रणालियाँ और बड़े उपयोगिता-स्तरीय सौर ऊर्जा संयंत्र होते हैं।
- **लागत-प्रभावीः** PV प्रणालियों की लागत में **प्रभावी रूप से गिरावट** आई है, जिससे सौर ऊर्जा लागत-प्रतिस्पर्द्धी हो गई है।
- मौसमरोधी पैनलों और स्थायी पार्ट-पूर्जों के कारण PV प्रणालियों को **न्यूनतम रखरखाव** की आवश्यकता होती है तथा इनका **जीवनकाल लंबा** होता है।
- **त्रुटिः** सौर PV उत्पादन धूप वाले मौसम पर निर्भर करता है और विद्युत ऊर्जा की वोल्टता पूरे दिन बदलती रहती है।

राजस्थान में युवा मित्रों का विरोध प्रदर्शन

चर्चा में क्यों?

राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद अपनी नौकरी गंवाने वाले राजीव गांधी युवा मित्रों ने अपनी सेवाएँ बहाल करने की मांग को लेकर ज़िलों और तहसीलों में अपना **विरोध प्रदर्शन तेज कर दिया है।**

मुख्य बिंदु:

- यह संभव है कि राजस्थान सरकार एक संशोधित योजना के तहत **8,000 युवा मित्रों को नियुक्त करने के लिये राज्य बजट में एक नया प्रावधान पेश करेगी।**
- पिछली सरकार द्वारा शुरू की गई वर्तमान योजना, **राजस्थान गांधी युवा मित्र** को बदलकर **विकसित राजस्थान युवा मित्र** किये जाने की संभावना है।
- लोकसभा चुनाव के लिये आदर्श आचार संहिता (MCC) लागू होने से पहले लगभग 5,000 युवा मित्रों ने सरकारी नौकरियों में बहाली की मांग को लेकर दो महीने से अधिक समय तक विरोध प्रदर्शन किया था।
    - मुख्यमंत्री कार्यालय (CMO) के अतिरिक्त मुख्य सचिव (ACS) द्वारा यह आश्वासन दिये जाने के बाद कि सरकार की नई योजना के तहत उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी, विरोध प्रदर्शन समाप्त हुआ।

राजीव गांधी युवा मित्र इंटर्नशिप योजना (RGYMIS)

- वर्ष 2021-22 में शुरू की गई **इस योजना का उद्देश्य युवा स्नातकों को व्यावहारिक कार्य अनुभव प्रदान करना** और उन्हें अपने कौशल तथा ज्ञान को विकसित करने में सहायता करना है।
- इसके तहत प्रशिक्षुओं को विभिन्न सरकारी विभागों और एजेंसियों में रखा गया तथा उन्हें 10,000 रुपए तक का वजीफा दिया गया।
- **इस कार्यक्रम के तहत लगभग 50,000 युवाओं को नामांकित किया गया था।**
- अर्थशास्त्र और सांख्यिकी विभाग के अनुसार, यह योजना **राजीव गांधी युवा मित्र (RYM) नामक बौद्धिक एवं स्व-प्रेरित युवाओं का एक समूह विकसित** करने हेतु लाई गई थी।
- इस पहल का उद्देश्य **लोगों को शासन के विषय में शिक्षित करना** और सरकार में उनका विश्वास पैदा करना तथा यह सुनिश्चित करना है कि उनकी बुनियादी आवश्यकताएँ उनके दरवाजे पर पूरी हों।

जबरन धर्मांतरण के लिये कानून

चर्चा में क्यों?

हाल ही में राजस्थान सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय को बताया कि वह **अपना स्वयं का कानून लाने की प्रक्रिया में** है, क्योंकि उसके पास धर्मांतरण के संबंध में कोई विशिष्ट कानून नहीं है।

- राज्य ने इस बात पर ज़ोर दिया कि वह इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय, विभिन्न उच्च न्यायालयों और केंद्र सरकार के निर्देशों का पालन करता है।

मुख्य बिंदु:

- एक वकील द्वारा दायर जनहित याचिका (PIL) के अनुसार, केंद्र और राज्य धोखे से धर्म परिवर्तन की समस्या को नियंत्रित करने में विफल रहे हैं, हालाँकि **संविधान के अनुच्छेद 14, 21, 25** के तहत यह उनका कर्त्तव्य है।
- दंडात्मक कानून में धर्म परिवर्तन शामिल नहीं है, कई राज्य अवैध धर्म परिवर्तन के लिये विदेशी वित्त पोषित व्यक्तियों और गैर-सरकारी संगठनों (NGO) के लिये सुरक्षित स्थान बन गए हैं।
    - वर्ष 2022 में सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र तथा अन्य को नोटिस जारी कर धोखाधड़ी से धर्मांतरण और **धमकी, छल, धोखे एवं उपहार व मौद्रिक लाभ के माध्यम से किये गए धर्मांतरण** को नियंत्रित करने के लिये निर्देश देने की याचिका पर जवाब मांगा था।

धर्मांतरण (Religious Conversion)

- धर्मांतरण **एक विशेष धार्मिक संप्रदाय से जुड़ी मान्यताओं को अपनाना** है, जिसमें अन्य संप्रदायों को शामिल नहीं किया जाता।
- इस प्रकार "धर्मांतरण" का अर्थ **एक संप्रदाय के प्रति आस्था को त्यागना और दूसरे संप्रदाय से जुड़ना** है।
    - उदाहरण के लिये ईसाई बैपटिस्ट से मेथोडिस्ट या कैथोलिक में मुस्लिम शिया से सुन्नी में धर्मांतरण।
- कुछ मामलों में धर्मांतरण "**धार्मिक पहचान के परिवर्तन** को दर्शाता है और विशेष अनुष्ठानों द्वारा इसका प्रतीक" होता है।

नोट :

अनुच्छेद 14

- **अनुच्छेद** 14 में कहा गया है कि **किसी भी व्यक्ति को भारत के क्षेत्र में कानून के समक्ष समानता** या विधि के समान संरक्षण से वंचित नहीं किया जाएगा
- यह अधिकार सभी व्यक्तियों को दिया गया है, चाहे वे नागरिक हों या **विदेशी, वैधानिक निगम, कंपनियाँ, पंजीकृत सोसायटी या किसी अन्य प्रकार के वैधानिक व्यक्ति** हों।

अनुच्छेद 21

- यह घोषित करता है कि **किसी भी व्यक्ति को** कानून द्वारा स्थापित प्रक्रिया के अलावा उसके **जीवन या व्यक्तिगत स्वतंत्रता से वंचित नहीं किया जाएगा।** यह अधिकार नागरिकों और गैर-नागरिकों दोनों को उपलब्ध है।
- जीवन का अधिकार केवल पशु अस्तित्त्व या जीवित रहने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसमें **मानवीय गरिमा के साथ जीने का अधिकार** और जीवन के वे सभी पहलू भी शामिल हैं जो मनुष्य के जीवन को सार्थक, पूर्ण तथा जीने लायक बनाते हैं।

अनुच्छेद 25

- भारतीय संविधान के **अनुच्छेद 25** के तहत धर्म को **मानने, प्रचार करने और उसका पालन करने की स्वतंत्रता** की गारंटी दी गई है तथा सभी धार्मिक वर्गों को **सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता एवं स्वास्थ्य के अधीन** धर्म के मामलों में अपने स्वयं के मामलों का प्रबंधन करने की अनुमति दी गई है।
- हालाँकि कोई भी व्यक्ति अपने धार्मिक विश्वासों को ज़बरदस्ती नहीं थोपेगा और परिणामस्वरूप, किसी भी व्यक्ति को उसकी इच्छा के विरुद्ध किसी भी धर्म का पालन करने के लिये मजबूर नहीं किया जाना चाहिये।

राजस्थान को कोयला आपूर्ति

चर्चा में क्यों ?

राजस्थान को 400,000 मीट्रिक टन कोयला मिलने वाला है, जो छत्तीसगढ़ के वाशिंग प्लांटों में फँसा हुआ था।

इस आने वाले **कोयले की खदान से राज्य के विद्युत घरों के लिये आपूर्ति बढ़ेगी,** जिससे निवासियों को पर्याप्त विद्युत की गारंटी मिलेगी।

मुख्य बिंदु:

- वर्तमान में **राज्य के सभी 23 विद्युत संयंत्र** सक्रिय हैं, उन्हें 25 रेक आपूर्ति प्राप्त हो रही है तथा 7 दिन का अग्रिम स्टॉक रखा गया है।
- अतिरिक्त 4 लाख मीट्रिक टन से यह स्टॉक 4 दिन के लिये बढ़ जाएगा, क्योंकि थर्मल प्लांटों को कार्य करने के लिये प्रतिदिन 1 लाख मीट्रिक टन की आवश्यकता होती है।
- छत्तीसगढ़ के कोरबा में **आर्यन कोल बेनेफिसिएशन इंडिया लिमिटेड (Aryan Coal Beneficiation India Limited-ACBEL)** को **राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम** द्वारा पाँच साल के लिये **साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (South Eastern Coalfields Limited- SECL)** की खदान से **सूरतगढ़ और छबड़ा ताप विद्युत संयंत्रों** को कोयला उपलब्ध कराने का अनुबंध दिया गया था।
  - हालाँकि जुलाई 2022 में **छत्तीसगढ़ के राज्य कर (GST) विभाग**, खनिज विभाग, राजस्व विभाग और पर्यावरण विभाग के संयुक्त प्रयास से ACBEL की वाशिंग सुविधाएँ प्रतिबंध कर दी गईं, जिससे राजस्थान का लगभग 4 लाख मीट्रिक टन कोयला वाशिंग सुविधाओं में फँस गया।

सूरतगढ़ थर्मल पावर प्लांट

- सूरतगढ़ सुपर थर्मल पावर स्टेशन **राजस्थान का पहला सुपर थर्मल पावर स्टेशन है।**
- यह **गंगानगर ज़िले** के सूरतगढ़ शहर से 27 किमी. दूर स्थित है। इस विद्युत संयंत्र का संचालन **राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (RVUNL)** द्वारा किया जाता है।
- इस विद्युत संयंत्र में **6 इकाइयाँ हैं** जो **250 मेगावाट** विद्युत का उत्पादन कर सकती हैं और **2 इकाइयाँ 660 मेगावाट** विद्युत का उत्पादन कर सकती हैं।

नोट :

छाबड़ा थर्मल पावर प्लांट

- छाबड़ा थर्मल पावर प्लांट **राजस्थान के कोयला आधारित विद्युत संयंत्रों में से एक है**
- यह राजस्थान के **बारां ज़िले** में स्थित है।
- इस विद्युत संयंत्र की नियोजित क्षमता **2320 मेगावाट** है।

राजस्थान उच्च न्यायालय का NTA को नोटिस

चर्चा में क्यों?

राजस्थान उच्च न्यायालय ने कथित अनियमितताओं के कारण **मेडिकल प्रवेश परीक्षा NEET-UG** को रद्द करने के अनुरोध पर **राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (National Testing Agency- NTA)** और केंद्र को नोटिस जारी किये।

मुख्य बिंदुः

- राष्ट्रीय पात्रता एवं प्रवेश परीक्षा (National Eligibility and Entrance Test- NEET) स्नातक परीक्षा के **पेपर लीक** का मामला बढ़ गया है, जिसके कारण **दोबारा परीक्षा कराने** और **केंद्रीय जाँच ब्यूरो (Central Bureau of Investigation-CBI)** से जाँच कराने की मांग को लेकर विरोध **प्रदर्शन** हो रहे हैं।
- राजस्थान उच्च न्यायालय ने सुनवाई की तिथि 10 जुलाई, 2024 तय की है, जिसके दो दिन बाद **सर्वोच्च न्यायालय** में **इसी तरह की याचिकाओं पर सुनवाई होनी है,** जिनमें NEET-UG 2024 परीक्षा रद्द करने और न्यायालय की निगरानी में जाँच की मांग करने वाली याचिकाएँ भी शामिल हैं।

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी

- **परिचयः**
  - **राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (National Testing Agency- NTA)** की स्थापना **भारतीय सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860** के तहत पंजीकृत एक सोसायटी के रूप में की गई थी।
  - यह उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश के लिये प्रवेश **परीक्षा आयोजित करने वाला एक स्वायत्त और आत्मनिर्भर परीक्षण संगठन** है।
- **शासन व्यवस्थाः**
  - NTA की अध्यक्षता **मानव संसाधन विकास मंत्रालय** द्वारा नियुक्त प्रख्यात शिक्षाविद करते हैं।
  - **मुख्य कार्यकारी अधिकारी (Chief Executive Officer- CEO)** महानिदेशक होंगे जिनकी नियुक्ति सरकार द्वारा की जाएगी।
  - इसमें एक **बोर्ड ऑफ गवर्नर्स** होगा जिसमें उपयोगकर्त्ता संस्थानों के सदस्य शामिल होंगे।

नीट- यूजी (NEET-UG)

- **राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (स्नातक) या NEET,** जिसे पहले **ऑल इंडियन प्री-मेडिकल टेस्ट** कहा जाता था, भारत में स्नातक चिकित्सा कार्यक्रमों (**MBBS और BDS पाठ्यक्रम**) में प्रवेश के लिये एक प्रवेश परीक्षा है।
- इसका **संचालन NTA द्वारा किया जाता है।**

✦ ✦ ✦ ✦

नोट :